

Hindi Murli Quiz 02-12-2015

Q.1) तुमको कहते हैं यह तो शास्त्र को भी नहीं मानते। नास्तिक बन पड़े हैं। बोलो,.....

- A. ☐ रावण ने भी तो शास्त्र पढ़े थे, तो क्या हुआ।
- B. ☐ हम से अधिक शास्त्र तो किसी ने भी नहीं पढ़े।
- C. ☐ शास्त्र तो हम पढ़ते थे फिर बाप ने ज्ञान दिया है।
- D. ☐ हम तो तुम्हें सभी शास्त्रों का सार सुनाते हैं।

Q.2) कोई बड़े आदमियों से ओपनिंग भी इसलिए कराते हैं क्योंकि नामीयामी हैं। आवाज फैलेगा वाह! प्रेजिडेंट, प्राइम मिनिस्टर ने ओपनिंग की। यह बाबा जाये तो मनुष्य थोड़ेही समझेंगे परमपिता परमात्मा ने ओपनिंग की, मानेंगे नहीं। कोई बड़ा आदमी कमीशनर आदि आयेगा तो उनके पीछे और भी भागेंगे। इनके पीछे तो कोई नहीं भागेगा। अभी तुम ब्राह्मण बच्चे तो बहुत थोड़े हो। जब मैजिस्ट्री होंगे तब समझेंगे। अभी अगर समझ जायें तो बाप के पास भागें। एक ने बच्ची को कहा था कि जिसने तुमको यह सिखाया हम डायरेक्ट क्यों न उनके पास जायें।

- A. ☐ True
- B. ☐ False

Q.3) गपोड़ा भी बहुत लम्बा-चौड़ा लगाते हैं तो मनुष्य बिल्कुल अन्धियारे में सो गये हैं। तुम बताते हो बाकी थोड़ा समय है तो तुम्हारे पर कोई हंसी भी करते हैं। रीयल्टी में तो वह समझते हैं जो अपने को ब्राह्मण समझते हैं। यह नई भाषा, रुहानी पढ़ाई है ना। जब तक स्प्रिचुअल फादर न आये, कोई समझ न सके। स्प्रिचुअल फादर को तुम बच्चे जानते हो। वो लोग जाकर योग आदि सिखाते हैं, परन्तु उन्हीं को सिखलाया किसने? ऐसे तो नहीं कहेंगे स्प्रिचुअल फादर ने सिखाया।

- A. ☐ False
- B. ☐ True

Q.4) Match the following

| | Choice | | Match |
|---|--|---|--|
| A | ब्रह्मा बाप समान मास्टर दाता बनने के लिए | 1 | ईर्ष्या, घृणा और क्रिटिसाइज़-इन तीन बातों से मुक्त |
| B | सर्व के प्रति शुभचिंतक बनो और | 2 | शुभचिंतन स्थिति का अनुभव करो |
| C | जिसमें ईर्ष्या की अग्नि होती है | 3 | दूसरे को भी गिराते हैं |
| D | घृणा वाले खुद भी गिरते हैं | 4 | दाता के बच्चे मास्टर दाता बनो। |
| E | हंसी में भी क्रिटिसाइज़ करने वाले | 5 | वे स्वयं जलते हैं, दूसरों को परेशान करते हैं |
| F | इन तीनों बातों से मुक्त रह शुभचिंतक स्थिति के अनुभव द्वारा | 6 | आत्मा को हिम्मतहीन बनाकर दुःखी करते हैं |

Q.5) आत्मा जो तमोप्रधान बनी है उसे सतोप्रधान बनना है, तमोप्रधान से तमो रजो सतो फिर सतोप्रधान बनना है। अगर बीच में गड़बड़ हुई तो

- A. ☐ माया का श्राप मिल जाएगा।
- B. ☐ कट चढ़ जायेगी।
- C. ☐ भी पहले जितनी कट नहीं चड़ेगी।
- D. ☐ बाप सम्भाल लेंगे।

Q.6) Match the following

| | Choice | | Match |
|---|---|---|---|
| A | वही अखबार वाला कभी देखो तो अच्छा डालेगा | 1 | बस आना ही छोड़ देते हैं। |
| B | सुनी-सुनाई पर बहुत चलते हैं | 2 | यह है तुम्हारी नम्बरवन सेवा। |
| C | परमत् आसुरी मत हो गई। | 3 | कभी खराब क्योंकि वह भी सुनी-सुनाई पर चलते हैं ना। |
| D | कोई ने उल्टी बात बताई तो | 4 | उसको परमत् कहा जाता है। |
| E | जो सर्विस पर रहते हैं | 5 | बाप के साथ करते हो ना। |
| F | यहाँ तुम जो भी सेवा करते हो | 6 | उन्हीं को सब मालूम रहता है। |
| G | कर्तव्य तो यहाँ | 7 | बाप की है श्रीमत्। |

Q.7) ___-बुद्धि और संस्कारों पर सम्पूर्ण राज्य करने वाले स्वराज्य अधिकारी बनो।

Q.8) आत्मा के संबंध में कौन सी एक महीन बात महीन बुद्धि वाले ही समझ सकते हैं?

- A. ☐ यह बातें बड़ी महीन हैं, जो मोटी बुद्धि वाले समझ नहीं सकते।
- B. ☐ जितना जंक उतरती जायेगी उतना दूसरों को समझाने में खींचेंगे।
- C. ☐ जब जंक उतरे अर्थात् आत्मा तमोप्रधान से सतोप्रधान बनें तब बाप की खींच हो और वह बाप के साथ वापस जा सके।
- D. ☐ आत्मा पर सुई की तरह धीरे-धीरे जंक (कट) चढ़ती गई है। वह याद में रहने से उतरती जायेगी।

Q.9) भगवानुवाच, वेद-उपनिषद आदि पढ़ने, दान-पुण्य आदि करने से कोई भी मेरे को प्राप्त नहीं करते। मेरे द्वारा ही मेरे को प्राप्त कर सकते हैं।

- A. ☐ True
- B. ☐ False

Q.10) Match the following

| | Choice | | Match |
|---|---------------------------------------|---|--------------------------------|
| A | बाप हमको इतना ऊंच बनाते हैं | 1 | तो वह खुशी रहनी चाहिए ना। |
| B | कलियुग में कितना तमोप्रधान | 2 | भारत से ही लगता है। |
| C | जितना प्यार करो उतना | 3 | वह अच्छा पद पायेंगे। |
| D | जो अच्छी रीति पढ़ेंगे, याद में रहेंगे | 4 | बेसमझ बन पड़ते हैं। |
| E | सैपलिंग | 5 | और ही सामना करते। |
| F | दिन-प्रतिदिन अखबार आदि से | 6 | तुम्हारा नाम बाला होता जायेगा। |